“ ममता कालिया एवं मृदुला गर्ग की कहानियों में नारी सशक्तीकरण का तुलनात्मक अध्ययन”

“बेटी बचाओ बेटी पढाओ ”

हिन्दी विषय़ में

पीएच.डी उपाधि हेतु

शोध प्रस्ताव

शोध निर्देशक

डॉ.निरु□□□ हर्षवर्धन

शोधार्थी

चन्दा □□□□□

Enrollment Number(JV”ll/22/11055)

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

ज्योति विधापीठ महिला विश्वविधालय,जयपु□ राजस्थान

□□□ प्रस्तावना

हिंदी कहानियों का इतिहास भारत में कई वर्ष पुराना है। प्राचीन काल से ही कहानियां बोली, सुनी और लिखी जा रही है। ये कहानियां ही है जो हमें हिम्मत से भर देती है और हम असंभव कार्य को भी करने को तैयार हो जाते है और अत्यंत कठिनाइयों के बावजूद अधिकतर कार्य पूरे भी होते है शिवाजी महाराज को उनकी माता ने कहानी सुना सुनाकर इतना महान बना दिया कि शिवाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज बने गए।

कहानी हिंदी साहित्य की प्रमुख कथात्मक विधा है। आधुनिक हिंदी कहानी का आरंभ २० वीं सदी में हुआ। पिछले एक सदी में हिंदी कहानी ने आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रगतिवाद, मनोविश्लेषणवाद, आँचलिकता, आदि के दौर से गुजरते हुए लम्बी यात्रा में अनेक उपलब्धियां हासिल की है। निर्मल वर्मा के वे दिन जैसे कहानी संग्रह साहित्य अकादमी से भी सम्मानित हो चुके हैं। प्रेमचंद, जैनेंद्र, अज्ञेय, यशपाल, फणीश्वरनाथ रेणु, उषा प्रियंवदा, मन्नु भंडारी, ज्ञानरंजन, उदय प्रकाश, ओमप्रकाश बाल्मिकी आदि हिंदी के प्रमुख कहानी कार हैं।

कविता के क्षेत्र में गीत और गद्य में कहानी, मानवीय सभ्यता के आद्य अभिव्यक्ति माध्यम कहे जा सकते हैं। सभ्यता के विकास चरण में कहानी नया अवतार लेकर प्रस्तुत □□□ □□ □□-नीति □□□, आख्यायिका □□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□ विज्ञान □□□ □□ क्रमशः परिवेश □□□□□□□ □□□ ही □□□□ □□स्वरूप में □□ परिवर्तन होने□□□ प्रेमचंद □□□□□□- "गल्प (□□□□) □□ □□□ □□□□ □, जिसमें □□□□ □□किसी □□ □□ □□ □□□□□ □□ प्रदर्शित कर□□ ही □□□□□□ □□ उद्देश्य □□□□ □□" सुविधा की दृष्टि से □□ □□□□ की विकास यात्रा □□ हिन्दी कहा□□ □□ विकास प्रेमचंद □□□ में □□□ □ □□□□पूर्व की □□□□ अपरिपक्व □□□ □□ शिल्प की दृष्टि से □□□ □□□ □□अधिक □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ प्रधान □□ प्रेमचंद □□□ में □□ कमियों को □□ □□□□□□प्रयास किए □□□ □□ □□□ में ऐतिहासिक, □□□□□□, नैतिक, सांस्कृतिक, चारित्रिक आदि □□□ विषयों पर कहानियाँ लिखीं □□□ □□- हिन्दी कहा□□ □□ विकास प्रेमचंद □□□ में □□□ □ □□□□पूर्व की □□□□ अपरिपक्व □□□ □□ शिल्प की दृष्टि से □□□ □□□ □□अधि□ □□□□ □□□ □□□□□ □□□□ प्रधान □□ प्रेमचंद □□□ में □□ कमियों को □□ □□□□□□प्रयास किए □□□ □□ □□□ में ऐतिहासिक, □□□□□□, नैतिक, सांस्कृतिक, चारित्रिक आदि □□□ विषयों पर कहानियाँ लिखीं □□□

1. **प्रेमचंद पूर्व की □□□□** - □□ 1910 □□ **पूर्व।**
2. **प्रेमचंद □□□ की □□□□** - □□ 1910 □□ 1936 □□□

3. **प्रेमचंदोत्तर क**□□□ - □□ 1936 □ 1950 □□□

4. □□ □□□□ - □□ 1950 □□□ □ □□□

□□□□ कें प्रमुख तत्व -

1. **विषयवस्तु** □□ □□□□□
2. **चरित्र -चित्रण**
3. □□□□
4. □□□-**शैली**
5. □□□□□ □ □□□□□□
6. **उद्देश्य**

□□□□ गद्य साहित्य की □□ □□□□ अधिक □□□□ □□□ लोकप्रिय विधा □, □□ □□□□ □ किसी विशेष पक्ष □□ मार्मिक, भावनात्मक □□ कलात्मक वर्णन □□□□ □□ "हिन्दी गद्य की □□ विधा □□□□□□□□ किसी □□□□, पात्र □□□□ समस्या □□ क्रमबद्ध ब्यौरा □□□ □□□□□□□□ □□ समन्वित प्र□□□ उत्पन्न □□□□ □□□□□□□□□ □□□□ हैं।"

आजादी □□□□□ हिन्दी कहा□□ □□ □□□ संस्कार □□□□□□ कहानीकारों □□□□□□ □□ □□□ □□□□□ □□□□□ □ अभिहित किया। □□□ □□□□□ □□ जन्म 1956 □□□□□□ □□□□ □□ 1956 में □□□ प्रसाद गुप्त □□ □□□□□ में □□□ □□□□□ □□□ की पत्रिका का □□ विशेषांक निकाला।

□□□□ गद्य साहित्य की □□ □□□□ अधिक □□□□ □□□ लोकप्रिय विधा □,

□□ □□□□ □ किसी विशेष पक्ष □□ मार्मिक, भावनात्मक □□ कलात्मक वर्णन □□□□ □□ "हिन्दी गद्य की □□ विधा □□□□□□□□ किसी □□□□, पात्र □□□□ समस्या □□ क्रमबद्ध ब्यौरा □□□ □□□□□□□□ □□ समन्वित प्रभाव उत्पन्न हो□□ □□□□□□□□□ □□□□ हैं"।

1. □□. **श्याम सुन्दर** □□□ -"**आख्यायिका ए□ निश्चित लक्ष्य □□ प्रभाव □□□ नाटकीय आख्यान □□**"

2.[illegible] - “छोटी [illegible] स्वतः पूर्ण र[illegible], जिसमें एक तथ्य [illegible] प्रभाव [illegible] अग्रसर [illegible] वाली व्यक्ति केन्द्रित घ[illegible] आवश्यक परन्तु [illegible]-[illegible] अप्रत्याशित [illegible] उत्थान-[illegible] पात्रों के चरित्र पर प्रकाश [illegible] कौतूहलपूर्ण व[illegible]”

3. मुन्शी प्रेमचन्द- “क[illegible] उद्देश्य सम्पूर्ण मनुष्य [illegible] चित्रित करना नहीं [illegible] चरित्र का [illegible] दिखाना [illegible] वर्तमान आख्यायिक मनोवैज्ञानिक विश्लेषण अ[illegible] यथार्थ [illegible] स्वाभाविक चित्रण को [illegible] ध्येय [illegible]”

4. विनोदशंकर व्यास - “आधुनिक [illegible] ध्येय [illegible] मनुष्य [illegible] मनोरहस्यों का उद्‌घाटन [illegible], [illegible] अनियन्त्रित और अप्रसांगिक [illegible] प्रदर्शन का [illegible] नहीं। [illegible], जिसमें क[illegible] निर्लिप्त भाव [illegible] दुनिया की सृष्टि क[illegible] दार्शनिक जग[illegible] में [illegible] शक्ति [illegible] चाहिए कि [illegible] लिए [illegible] पात्रों की [illegible]”

5. [illegible] श्रीकृष्ण ल[illegible] -“आधुनिक [illegible] साहित्य का [illegible] विकसित कलात्मक रूप [illegible], जिसमें ले[illegible] कलात्मक शक्ति [illegible] पात्रों औ[illegible] चरित्रों के द्‌वारा [illegible] प्रसंगों की [illegible] मनोवांछित [illegible], चरित्र [illegible], दृश्य [illegible] प्रभाव की सृष्टि क[illegible]”

6. [illegible] - छोटी [illegible] आख्यान [illegible] कि [illegible] में [illegible] ही प्रभाव उत्पन्न क[illegible] उद्देश्य से लिखा [illegible] उसमें [illegible] बातों [illegible] बहिष्कार कर दिया [illegible] प्रभाव [illegible] अग्रसर [illegible] में र[illegible] स्वतः पूर्ण ह[illegible]

7. [illegible]. [illegible]. वेल्स - [illegible] कथात्मक वृत्त [illegible] घण्टे [illegible] आनन्द प्रदान [illegible] में [illegible], सुन्दर [illegible] विस्मयकारी-किसी प्रकार [illegible] आख्यान [illegible], परन्तु [illegible] में पन्द्रह मिनट [illegible] मिनट [illegible] ही [illegible] चाहिए। साहित्य के मर्मस्पर्शी और भावात्मक स्वरूपों में क[illegible] ही सर्वाधिक सन्तोषप्रद विधा [illegible]

लेखिका [illegible] कालिया [illegible] परिचय

[illegible] कालिया [illegible] जन्म 2 नवम्बर 1940 में वृन्दावन ([illegible].) में [illegible] में व्यतीत [illegible] नदी [illegible] अधिक [illegible] उसकी शान्त मुद्रा [illegible] आकर्षित क[illegible] रही [illegible] सम्पन्न परिवार में जन्म [illegible]

□□□ □□-सुविधाओं □□□□□□ □□□ □□□□ पिता □□ □□□ विद्याभूषण अग्रवाल □ □□□□ इन्दुमती □□□ इनकी माताश्री रूढ़ि परम्पराओं □□ □□□□□वाली □□□ पिता □□□□□□□□ □□□□ □□प्रिंसिपल थे व □□□ में □□□□ कार्य □□ □□□□□□□ इनकी साहित्य में विशेष रूचि □□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□ प्रारंभ □□ ही साहित्यिक □□□□ प्राप्त हुआ □ स्कूली शिक्षा का प्रारंभ □□□□□□□□ □□□□ □ □□□ में स्कूली □□□□ कॉन्वेन्ट में अंग्रेजी माध्यम □□□□ दिल्ली विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में □□.□. की उपाधि ली □

पारिवारिक जी□□

लेखिका □□ विवाह 12 दिसम्बर 1964 □□ दिल्ली में □□□ रवीन्द्र कालिया □□□□ □□□ शादी □□□□ □□□ □□साहित्यिक □□□□ □□□□□ परिचय □□ □□□ □□□ इन्होंने ए□-□□□□□□□□ कार्य में □□□ □□□□ नहीं □□□□□□ रवीन्द्र कालिया □□□□ □□प्रवर्तक □□ इन्होंने □□□□दाम्पत्य □□□□ में सामंजस्यपूर्ण स्थितियों को महत्वपूर्ण मा□□ □□

साहित्यिक पक्ष -

□□ □1968 में □□.□. की □□□□ □□□□□□ ही इन्होंने कविताएं लिखना शुरू □□ दिया □□□ इनकी पहली कविता 'प्रयोगवादी प्रियतम' □□ □□ '□□ दुनिया' □□□□□ में □□□□ □□ □□ अकविता □□ □□ □□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□ □□□□□ □□ ही कार्य □□□□ इनकी प्रारंभिक कहानियों में □□□□ गुस्सा □ □□□□ □□□□□ स्पष्ट दे□□□□□ मिलती □□ "उपलब्धि' शीर्षक □□□□ □□□□□ □□ पुरस्कार प्राप्त हुआ □ □□□□ कालिया कि प्रथम □□□□□ " यों ही □□ □□□□", "ज्ञानोदय" पत्रिका में □□□ □□□

सम्मान □□□उपाधियां

□□□□ कालिया □□ साहित्य समृद्ध □□□ □□ □□□□ □□□ सम्मानों □□□पुरस्कारों □□सम्मानित किया □□□ □□ □□ □1963 में साहित्यिक हिन्दुस्तान, दिल्ली की □□ □□सर्वश्रेष्ठ □□□□□□□, □□□□□, पुरस्कार, साहित्य परिषद, □□□□ □□ पुरस्कार, अभिनव □□□□□ पुरस्कारों □□ प्राप्त किया □□

उपन्यास -

□□□ 1971

□□□ □□ □□□ 1975 ,लड़कियाँ-अप्राप्य ,

□□ पत्नी कें नोट्स1994.

दुक्खम् सुक्खम्

□□□□ संग्रह

□□□□

□□□

पच्चीस □□□ की लड़की 2006

कविता संग्रह

खाँटी □□□□□ □□

कितने प्रश्न करूं

□□□ □□ □□□

प्रेम □□□□

गद्य संग्रह

1. □□□□□□ □□□ □□

संस्मरण

कितने शहरों में कितनी □□□

लेखिका □□□□ गर्ग □□ □□□□ परिचय

□□□□ गर्ग □□ जन्म 25 **अक्टूबर** 1938 में कलकत्ता □□**राज्य पश्चिम** □□□□ , □□ □□□□ **में हु**□□ □□□□**पिता** □□ □□□ **श्री** □□.□□. **जैनपति** □□ □□□ □□□ **प्रकाश गर्ग थ**□ □□ **इनकी बहनें** □□□□ □□□ (हिंदी की □□□□ □□□□ लेखिका),**चित्रा जै**□ □□ □□□□□□ (□□□□), □□□□ □□□ (अंग्रेजी की प्रसिद्ध लेखिका) □ □□□ □□ □□□ □□□□□ □□ (हिंदी के प्रसिद्ध कवि) **पुत्र** □□□□ **विक्रम** □□ □□□□ **विक्रम थ**□ □

| पिता □□ □□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□ वर्ष की □□□में □दिल्ली आ □□□□□□□□ □□ □□ □□□□ काफी शारीरिक □□□□ में □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□ वर्षों □□ स्कूल □□ नहीं □□ □□□□| □□ □□ ही □□□□ □अध्ययन □□□□□□□ □□□ □□□□□ परीक्षाअं में उत्तीर्ण □□□□| उन्होंने दिल्ली स्कूल □□ इकोनॉमिक्स □□□□.□ . किया | □□□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ दिल्ली के इन्द्रप्रस्थ कॉ□□ □□ जानकी □□□ □□□□ में □□□□ प्राध्यापिका कार्यरत रहीं | □□ □□□□ उन्होंने □□□□□□ □□ आर्थिक शोष□ □□□विषयों पर □□ □□□ अध्ययन किया |

□□□□ □□ □□ □□□□ □ही साहित्य-□□□ □□ □□□ □□ | साहित्य-□□□ □□□□□□ लम्बा □□□□ □□□ | □□ □□□□ हैं -

"**साहित्य** □□□ □□□□ **लम्बा** □□□□ □□□, □□□□ □□.. **साहित्य ही** □□ □□ **मात्र** □□□□ □□ | □□ □□□ □□ **में** □□□□□□□, □□**दिलो-दिमाग** □□ **हिस्सा ब**□ □□□ | **चूँकि** □□□□□□□□□□ **में** □□□ **जल्द प्रवेश** □□ **लिया** □□, **इसलिए** □□□**नामों** □□□□□□ **नहीं** □□□□ □□ |"

अध्ययन □अतिरिक □□□□ □□ □□ अभिनय में □□ विशेष रुचि थ□ | स्कूल □दिनों में उन्होंने □□□□ नाटकों □□□ □□□-विवाद प्रतियोगिताओं में □□-□□ □□ हिस्सा लिया □□ □□ □□□□ □□ □□□□ उपन्यास

- '□□□हिस्से की □□' (□□□□ उपन्यास, 1975)
- '□□□' (1976)
- 'चितकोबरा' (1979)
- अनित्य (1980)
- 'मैं □□ मैं' (1984)
- '□□□□□' (1996)
- मिलजुल □□ (2009, साहित्य □□□□□ द्वारा 2013 में पुरस्कृत उपन्यास)

□□□□ -संग्रह

- **कितनी कैदें (**1975)
- □□□□ □□□□ □□□□ (1976)
- **डैफ़ोडिल** □□ □□□**हैं (**1978)
- **ग्लेशियर** □□(1980)
- **उर्फ** □□ (1986)
- □□□ □□□□□ (1990)
- **चर्चित कहानियाँ** (1993)
- □□□□□ (1996)
- □□□□□ **की मिट्टी अ**□□ (2001)
- **संगति-विसंगति** (2004)
- □□□□□ □□□ □□□□ □□ □□□ (2006)□

□□□□

- '□□ □□ □□□□□' (1978)
- '□□□□□ कालीन' (1993)
- '□□□ कैदें' (1995)
- '□□□ □□□ □□ □□' (2003)

निबंध-संग्रह

- '□□-□□' (1995)
- '□□□□नहीं □□□□' (1999)
- कृति □□ कृतिकार

संस्मरण

- □□ □□□□ □□□□□गुजरी □□□पत्ता □□□□ □□

यात्रा-संस्मरण

- '□□ □□□□□ □□□' (1996)

व्यंग्य र□□

- '□□ लेंगे र□□ □□□'

उपन्यास

- '□□□हिस्से की □□' (□□□ उपन्यास, 1975)
- '□□□' (1976)
- 'चितकोबरा' (1979)
- अनित्य (1980)
- 'मैं □□ मैं' (1984)
- '□□□□□' (1996)
- मिलजुल □□ (2009, साहित्य □□□□ द्वारा 2013 में पुरस्कृत उपन्यास)

□□□ -संग्रह

- कितनी कैदें (1975)
- □□□ □□□ □□□ (1976)
- डैफ़ोडिल □□ □□हैं (1978)
- ग्लेशियर □□(1980)
- उर्फ □□ (1986)
- □□ □□□□ (1990)
- चर्चित कहानियाँ (1993)
- □□□□ (1996)
- □□□□ की मिट्टी अ□□ (2001)
- संगति-विसंगति (2004)
- □□□□ □□ □□□ □□ □□ (2006)□

□□□

- ’□□ □□ □□□□□’ (1978)
- ’□□□□□ कालीन' (1993)
- ’□□□ कैदें' (1995)
- ’□□□ □□□ □□ □□’ (2003)

निबंध-संग्रह

- ’□□-□□’ (1995)
- ’□□□□नहीं □□□□’ (1999)
- कृति □□ कृतिकार

संस्मरण

- □□ □□□□ □□□□□गुजरी □□□पत्ता □□□□ □□

यात्रा-संस्मरण

- ’□□ □□□□□□□ □□□□’ (1996)

व्यंग्य-संग्रह

- ’□□ लेंगे □□ □□□’

पुरस्कार □ सम्मान

- हिंदी □□□□□ दिल्ली द्वारा साहित्यकार सम्मान (1988)
- उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा साहित्य □□□ सम्मान (1999)
- सूरीनाम में □ □□□□□ विश्व हिन्दी सम्मेलन में □ □□□□ साहित्य □□ सम्मान (2003)
- □□□□□□ □□लिए व्यास सम्मान (2004)
- □□□□□□ □□लिए ही ज्ञान□□□ □□ वाग्देवी पुरस्कार (2003)
- □□□हिस्से की □□ (उपन्यास) □□ 1975 में □□□ □□□□□ कालीन (□□□□) □□ 1993 में मध्य प्रदेश □□□□□ □□साहित्य परिषद द्वारा पुरस्कृत किया □□□।
- मिलजुल □□ (उपन्यास, 2009) □□लिए साहित्य □□□□□ पुरस्कार (2013)
- ह्यूमन □□□□ □□□ की □□ □□साहसिक □□□□ □□लिये हम्मेट-□□□□ पुरस्कार □□□□ सम्मानित किया □□□।

- हिंदी □□□□□ दिल्ली द्वारा साहित्यकार सम्मान (1988)
- उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान द्वारा साहित्य □□□ सम्मान (1999)

• सूरीनाम में □□□□□ विश्व हिन्दी सम्मेलन में □□□□□ साहित्य □□ सम्मान (2003)
• □□□□□ □□लिए व्यास सम्मान (2004)
• □□□□□ □□लिए ही ज्ञानपीठ □□ वाग्देवी पुरस्कार (2003)
• □□□हिस्से की □□ (उपन्यास) □□ 1975 में □□□ □□□□ कालीन (□□□) □□ 1993 में मध्य प्रदेश □□□□ □□साहित्य परिषद द्वारा पुरस्कृ□ किया □□□
• मिलजुल □□ (उपन्यास, 2009) □□लिए साहित्य □□□□ पुरस्कार (2013)
• ह्यूमन □□□ □□□ की □□ □□साहसिक □□□ □□लिये हम्मेट-□□□□ पुरस्कार □□□ सम्मानित किया □□□ उन्होंने □□ नाटकों में अभिनय किया □

प्रस्तुत □□□ कार्य □□उद्देश्य

1.□□□ **पत्र □□माध्यम □□□□□ □□विभिन्न तथ्यों के□बारें में** जानकारी प्राप्त कर□□ □

2. .□□□ **पत्र द्वारा** समस्याओं □□ निदान □□ □□□□ □□□ □

3 □□□ **पत्र** □□व्यवस्थित प्रयत्न द्वारा सिद्धांत □□ निर्माण □□□□

4. □□□ **पत्र** □□□ तथ्यों की □□□ □□□ □□ □□□ ज्ञान की प्राप्ति क□□□

5किसी □□□ □□□□ □□-□□□ की जानकारी प्राप्त कर□□□

□□□ प्रविधि

□□□ प्रविधि क□ अर्थ है□□□ कार्य □□□□□विशेष नियम □□□ विधि। श□□ कार्य की विशिष्ट त□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□□हैं। विभिन्न प्र□□ की वैज्ञानिक पद्धति ही □□□ प्रविधि है□

1. □□ □□□ **कार्य □□लिए सर्वप्रथम □□□□ साहित्य विधा □□ अध्ययन किया □**
2. **जिसमें प्रारंभिक □□□□ □□□□ □□ □□ की □□□□ की विकास यात्रा □□ विश्लेषण किया □**
3. □□ □□□ **पत्र □□कार्य □□लिए** Ncert □ **अन्य पुस्तकों □□ अध्ययन □□□□□ किया** -□
4. □□□ **पत्र की □□□□ □□विभिन्न तत्वों को समझनें □□लिए विश्लेषणात्मक प्रविधि को □□□□□ □**

5. □□□□ **कालिया □ □□□□ गर्ग की कहानियों में नारी □□संबंधित कार्यों □□ तुलनात्मक □ □□□ अध्ययन करनें □□लिए □□□□□ शिक्षकों से विचार -विमर्श किया □**
6. **□□□ □□लिये वर्णनात्मक, विवरणात्मक विधियों एवं फ्लैश पद्धति का पूर्ण □□□□□ लिया □**

□□□ परिकल्पना

परिकल्पना □□ शाब्दिक अर्थ है- 'पूर्व चिंतन' □ **समस्या** □□ □□□ **विषय** □□ □□□ □□ □□□□□□ **सम्बन्धित** साहित्य □□अध्ययन □□□□□-□□□ शोधकर्ता □□□□ में □□□वाली □□□ विषय □□ **सम्बन्धित** पूर्व विचार □□ कल्पनायें, □□□ परिकल्पना □□□□□ □□

1. विधार्थी □□□□ □□**विभिन्न तत्वों को** □□□□□ □□□□ □□□□ □□**परिपेक्ष्य में अध्ययन** □□□□ □□□ **सकेगें।**

2. विधार्थी □□□□ **कालिया □ □□□□ गर्ग की कहानियों में नारी □□संबंधित कार्यों □□ तुलनात्मक अध्ययन** □□□□□ **नारी □□प्रति सं□□□□□□ दृष्टिकोण विकसित □□ सकेगें ।**
3. विधार्थी **कहानियों □□ अध्ययन करतें हु□ की साहित्यिक □□□□ कें बारें में □□□ सकेगें।**
4. विधार्थी **कहानियों □□ अध्ययन करतें हु□ मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण अ□□□ सकेगें ।**
5. विधार्थी **कहानियों □□अध्ययन □□□□□□□ करतें हु□ ज्ञानवर्धक □□□□ □□ सकेगें ।**

□□□ कार्य □□ महत्व □□□प्रासंगिकता

□□□ कार्य □□ महत्व -

महिला लेखिकाओं □□□□□ महिला उत्थान की □□□□ में □□□□ कालिया □□□□□□ गर्ग की □□ विशेष भूमिका □□□□ □□□□ □□ □□□ निष्कर्षतः □□□ □□ □□□□ □□' कि नारी आदिकाल □□ही पीड़ित □□□ शोषित रही □□ पुरूष प्रधान □□□□ □□□□ मर्यादा □□ □□ में □□□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□□ □□ की इज्जत □□□□ □□ □□□ □□ □□□□ □□□ दीवारों □□ अन्दर □□ ही □□□□ इन्हीं परम्परागत पित्सत्तात्मक बेड़ियों □□ □□□□□ की □□□□ □□नारी सशक्तिकरण □□ महिलाओं □□ अपनें स्वयं कें व्यक्तिगत अधिकार □□ प्रति ल□□□की क्षमता प्रदान □□□□ □□□□□ स्वयं की जिम्मेदारी लेने□□ अधिकार □□□ □□ नारी अधिकार □□ महत्व □□□□ में महिलाओं □□लिए □□□□□ ,स्वतंत्रत □□ अधिकार □□ □□□ खत्म नहीं □□□□□□ही □□री सशक्तिकरण □□□□□□ □□ अधिकारों □□ दिलाने □□प्रति महिला सर्वप्रथम शिक्षा के प्रति □□□□ □□ ताकि □□अपनें मौलिक अधिकारों □□ □□□ सकें।

□□□ कार्य की प्रासंगिकता

समकालीन □□□ में महिला की प्रासंगिकता का □□□ □□□□□□□लिए □□□महिलाओं □□अध्ययनों □□ □□ □□त्वपूर्ण मूल्यांकन किया □□□ □□ □□□□ उद्देश्य महिलाओं □□अनुभवों □□ इतिहास की द्वंद्वात्मकता में एकीकृत □□□□ महिलाओं □□ □□□□□□□ □□□□□□□□□□ तरीके प्रदान □□□□□□लिए □□ साहित्यकारों ने□ विशेष कार्य किया □ इतिहास में भागीदारी, बल्कि ज्ञान □□प्रति अधिक समग्र □□ सूक्ष्म दृष्टिकोण विकसित □□□□□□लिए □□□ महिला अध्ययन □□ □□ □□□ □□ स्थिर इतिहास □□□ □□,□□ □□ □□□□□ □□ विषय □□रूप में नहीं □□□□ □□ □□□□ □□जबकि □□ □□□□ में महिला □□□□□ □□□□□ □□□ □□, सक्रियता □□□□□ इसकी असहमति □□"विद्वान" □□ "कार्यकर्ताओं" □□□□□ सामंजस्य □□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□

□□□ कार्य की प्रस्तावित अध्याय □□□□□

प्रथम अध्याय

नारी □□ स्वरूप का□ चित्रण

द्वितीय अध्याय

□□□□ कालिया □□ व्यक्तित्व □□ कृतित्व -

□□ **अध्याय में** ग□□□□ **कालिया** □ □□□□ **गर्ग** □□**व्यक्तितत्व प**□ **प्रकाश** □□□□□□ □□□ **लेखिकाओं** □□ **साहित्य** □□**क्षेत्र में अमूल्य** □□□□□ **की विस्तृत व्याख्या** □□ **अध्ययन किया** □□□□ □

□□□□ **अध्याय**

□□□□ गर्ग □□ **व्यक्तित्व एं**□ **कृतित्व -**

□□ अध्याय में □□□□ कालिया □ □□□□ गर्ग की कहानियों □□माध्यम से नारी सशक्तिकरण □□ मार्मिक चित्रण क□□□□□ □□ कहानियों क□ तुलनात्मक अध्ययन किया □□□□ □

चतुर्थ अध्याय

□□□□ **कालिया** □□□□□□□ **गर्ग की कहानियों में नारी** □□ **स्वरूप क**□ □□□□□ ,**आर्थिक व सांस्कृतिक नैतिक पक्ष** □□ तुलनात्मक अध्ययन किया □□□□ □

□□□ **अध्याय**

□□□□ **कालिया** □□□□□□□ **गर्ग की कहानियों** □□ **वर्तमान नारी** □□□□ □□ **प्रभाव**

□□□□ **अध्याय में** ग□□□□ **कालिया** □ □□□□ **गर्ग की कहानियों** □□**माध्यम** □□□□□□□**परिवेश** □□**द्वारा** □□□□ □□□□ **में** ह□□□□□□□**परिवर्त**□ □ **प्रभाव** □□ कहानियों क□माध्यम □□तुलनात्मक अध्ययन किया □□□□ □

□□□ **अध्याय**

अध्याय □□□□ **कालिया** □□□□□□□ **गर्ग की कहानियों में विद्रोही स्वर** □ □□□-**शैली** □□ **तुलनात्मक** अध्ययन किया □□□□ □

□□□□□**अध्याय**

□□□□□□ -

अध्याय में सम्पूर्ण शो विषय र्य कि विषय किया क्या परिणाम सक्षिंप्त रुप में निष्कर्ष किया

उपलब्ध साहित्य की समीक्षा

साहित्यकी की मुख्य समीक्षा लैंगिक भेद स्वीकार नहीं नारी सशक्तिकरण में मध्यवर्गीय स्त्री का संघर्ष प्रमुख रूप लैंगिक सम, शारीरिक श, स्वतंत्रता आर्थिक स्वतंत्रता सिमटा की उत्पत्ति मुख्यतः पितृसत्तात्मक व्यवस्था विरोध परिणामस्वरूप उत्पन्न हु ही में महिल की स्थिति को अभिनिश्चित में महिला सशक्तिकरण प्रमुख मुद्दे रुप में महिलाओं अधिकारों एवं हकों की रक्षा लिए वर्ष 1990 में अधिनियम द्वारा राष्टीय महिला की स्थापना की

1 **यशवन्त**

में महिलाओं की स्थिति हालांकि काफी लेकिन बेहतरी महिला वंचित हैं वर्ग की महिलाओं लिए आवश्यक कि स्तर लिए करें।

2 की में नारी, नारी अस्मिता नारी सशक्तिकरण की विवेचन में किया

3 **अम्बेडकर** नारी संवैधानिक, , स्वतंत्रता अधिकार दिया सशक्त निर्माण

4 **आचार्य रोहित** नारी उत्थान लिए शिक्षा, दलित की महिलाओं लिए की

5 धुसिया किया कि समीक्षा आवश्यक प्रतीत पुस्तक सिर्फ बुद्धिजिवियों तक ही नहीं सामान्य वर्ग

प्रयास □□□□ □□ □□ □□□□□□ □□□□ में स्त्रियों की □□□□□□□, राजनैतिक, आर्थिक ए□□शैक्षिक स्थिति वे□ □□□-□□□ □□□□□वैश्वीकरण □□प्रभावों की □□□ □□ ध्यान आकृष्ट □□□□ □□

6 **अरुंधति रॉ□ की पुस्तक** □□□ □□ **दी** □□□□ **थिंग्स में** महिलाओं की वर्तमान स्थिति प□ □□□ की □□ □□ इसमें □□□□□ □□□ □□कि सोसाइटी, मैरिज बिग थिंग हैं □□ □□□□ डिजायर □□□□ थिंग हैं। □□□□□□□ ही अरुंधति □□किताब □□जरिए □□□□□ □□कि बिग थिंग्स में □□ □□ शर्मसार □□ □□□□□□□ एलिमेंट्स हो□□हैं, □□ महिलाओं □□ □□ छोटी बातों □□लिए □□□□□ □□□□हैं वहीं □□□□ थिंग में □□ हैं □□ □□ □□ □□□ □□□लिए □□हें आजादी नहीं □□ अरुंधति □□□ □□□□□□ □□ किताब □□ □□□ □□□□□□ □□पोयटिक □□□□ में लिखा □□

7 □□□ **लाहिड़ी □□इंटरप्रेटर** □□ □□□□□□□□ **पुस्तक में** □□□□□□ □□ महिलाओं □□ नही □□□ कि □□□ □□□□□□ महिलाओं □□लिए काफी □□□ लिख चुकी हैं। □□□□ किताब इंटरप्रेटर □□ □□□□□□□ में □□ □□□ □□□□□की पति, □□□□□□□□ मैरिज, शादियों में □□यूनिकेशन □□ □□ □□□□ में डिसिबल महिलाओं □□□□□ □□□□□ □□□□□□में लिखा □□

8 **चित्रा बैनर्जी** □□□□□□□ **की** पुस्तक □ □□□ □□ □□□□□ **में**

□□ किताब में □□ डॉमिनेटिंग एपिक □□□□□□ □□ □□□□□ □□महिलाओं की दृष्टि से □□□□□की कोशिश की □□ □□ किताब में चित्रा ने□□□□□□ □□कि □□□ □□ महिला किसी □□□ □□लिए □□□□□□ □□ □□ □□□ किसके लिए नहीं □□□ □□ किताब □□जरिए पहली □□□ □□□□ □□□□□□ में महिलाओं की □मिकाओं □□□□□□में □□□□□□□ मिलेगा।

9 प्रेमचंद □□ □□ □□□□□□□ □□जिन्होंने न सिर्फ नारी की □□□□□ स्थिति □□ □□□□ □□□□□□ में उद्धृत किया बल्कि नारी □□ पुरुष □□□□□□ अधिकार की □□ □□□ □□□□□□□□| इनकी □□□□□ □में नारी पात्र दीन □□□ □□ □□□□ □□ सशक्त □□□□ □□□□□□□ □□ □□□अत्याचारों □□खिलाफ □□□□में सक्षम □□ □□

10 जैनेंद्र □□□□ की नारी पात्र प्रायः उपन्यास में प्रधानता लिए □□ □□□हैं। उपन्यासकार □□□□□□नारी पात्रों के□चरित्र-चित्रण में सूक्ष्म मनोवैज्ञानिक दृष्टि का परिचय दिया □□ स्त्री □□विविध रूपों, उसकी क्षमताओं □□ प्रतिक्रियाओं का विश्वसनीय □□□ जैनेंद्र □□किया हैं।

संदर्भ ग्रंथ □□□

1. □□□□ कालिया □□□□□ साहित्य □□ विवेचनात्मक अध्ययन गायत्री वर्मा
2. हिन्दी महिला उपन्यासकारों में नारी अस्मिता □□. हरिओम, 2015

i. —

3. नारी अस्मिता □□ विमर्श तथ□ प्रभा □□□□ □□उपन्यास छिन्नमस्ता □□संदर्भ में - □□□□ □□□□□, 2017
4. □□□□□ नारी □□□ □□□□□□ □□□□□, □□□□ पब्लिशिंग हा□□, □□□ दिल्ली, 1983
5. प्रभा □□□□, स्त्री उपेक्षिता, 1992, (भूमिका □□□ □)हिंदी पॉ□□ बुक्स , 2008, □□ दिल्ली।
6. 4) □□□□ पाण्डेय, स्त्री देह की राजनीति □□□□ की □□□□□□, □□14, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2008, □□ दिल्ली।
7. □.□□ रस्तोगी; हिंदी उपन्यासों में नारी, पृष्ट-13, वि. □□प्रकाशन, 1977, साहिबाबाद।
8. वैशाली श्रीवास्तव, स्त्री सशक्तिकरण □□□□□□,□□□□□□ □□□□ □□सन्दर्भ में, त्रैमासिक पत्रिका,पृ□161
9. □□□□ गर्ग, 2012, □□□साक्षात्कार पृ□93, किताब □□ प्रकाशन, दिल्ली।
10. 10 □□□□ गर्ग, 2002, □□□□हिस्से की □□, □□44, □□□□ पब्लिशिंग □□□□, दिल्ली।

11 □□ शीलप्रभा वर्मा, महिला उपन्यासकारों की □□□□□□में □□□□□□□□□□□ सन्दर्भ, पृ□ 155,इस्टर्न बु□ लिंकर्स,1998, □□ दिल्ली।

12 दर्शन पाण्डेय, नारी अस्मिता की □□□, □□2, □□□ प्रकाशन, 2004, □□ दिल्ली

13 □□□□ गुप्त, नारी □□ □□□□ □□□□, □□□□ पत्रिका -दिसम्बर 1977 ,□-35

14 □□ ज्योतिष □□□□, □□ □□□□□ दशकों □□ हिंदी उपन्यास की यात्रा, □□□ □□□□□, अक्तूबर-दिसम्बर □□□, 1999□

15 □□□□ गर्ग, 2013, चितकोबरा, □96, □□□□□□ प्रकाशन, दिल्ली।

16 □□□□ गर्ग, 2013, चितकोबरा,177, □□□□□□ प्रकाशन, दिल्ली।

17 □□□□ गर्ग, 2001, मैं □□□ मैं, □□213, □□□□□□ प्रकाशन, दिल्ली।

18 □□ □□□ □□□ द्वारा लिखित "□□□ □□ □□□" https://hindicurrentaffairs.adda247.com/a-book-titled-war-women-written-by-dr-ma-hasan-released/

19 **महिला सशक्तिकरण संपूर्ण □□□□ - कृष्ण चंद्र चौधरी**

20 □□□ □□ **की महिला शिक्षा □□ विचार**

□□□ **निर्देशक** **शोधार्थी**

□□.निरूपमा हर्षवर्धन

हस्ताक्षर

चन्दा □□□□□□

हस्ताक्षर